Self Respect

19-06-2014

- ✓शिव भगवानुवाच सलिग्रामों प्रति | यह तो सारे कल्प में एक ही बार होता है, यह भी तुम जानते हो और कोई भी जान न सके | मनुष्य इस रचयिता और रचना के आदि, मध्य, अन्त को बिल्कुल ही नहीं जानते |

- ✓बाप समझाते हैं इस पुरानी दुनिया में तुम जो कुछ देखते हो वह सब स्वाहा हो जाना है | फिर उसमें ममत्व नहीं रखना चाहिए | बाप आकर पढ़ाते हैं नई दुनिया के लिए | यह है पुरुषोत्तम संगमयुग |

✓जहाँ तक बाप है पढ़ाई चलनी ही है | फिर पढ़ाई भी बन्द हो जायेगी | इन बातों को तुम्हारे सिवाए कोई भी नहीं जानते |

✓जिसको समझने का होगा वही समझेगा | दूसरे को थोड़ेही समझा सकेंगे | तुम बच्चे समझाते हो कि यह तो काँटों का जंगल है, इसको हम मंगल बनाते हैं | मंगलम् भगवान् विष्णु कहते हैं ना | यह श्लोक आदि सब भक्ति मार्ग के हैं |

✓बाप समझाते हैं – बच्चे, तुम्हें बहुत-बहुत मीठा भी बनना है | कोई को दुःख नहीं देना है | बाप आते ही हैं सबको सुख का रास्ता बताने, दुःख से छुड़ाने | तो फिर ख़ुद किसको कैसे दुःख देंगे | यह सब बातें तुम बच्चे ही जानते हो | बाहर वाले बड़ा मुश्किल समझते हैं |

✓घर में रहना है परन्तु निमित्त मात्र | यह तो बुद्धि में है कि यह सारी दुनिया ख़त्म हो जानी है

- ✓ राजधानी के स्थापना की बातें बड़ी गुह्य गोपनीय हैं | बेहद का बाप बच्चों को मिला है तो कितना हर्षित होना चाहिए | हम विश्व के मालिक देवता बनते हैं तो हमारे में दैवी गुण भी ज़रूर होना चाहिए | एम ऑब्जेक्ट तो समाने खड़ी है | यह है नई दुनिया के मालिक | यह तुम ही समझते हो | हम पढ़ते हैं, बेहद का बाप जो नॉलेजफुल है वह हमको पढ़ाते हैं, अमरपुरी अथवा हेविन में ले जाने के लिए हमको यह नॉलेज मिलती है | आयेंगे वही, जिन्होंने कल्प-कल्प राज्य लिया है | कल्प पहले मुआफ़िक हम अपनी राजधानी स्थापन कर रहे हैं | यह माला बन रही है, नम्बरवार |

✓तो तुम बाप के मददगार बनते हो, वही ऊँच पद पाते हो | वास्तव में तो मदद अपने को ही करनी है | पवित्र बनना है, सतोप्रधान थे फिर से बनना है ज़रूर | बाप को याद करना है

✓ बाप आकर समझाते हैं, भक्ति मार्ग वाले कोई भी जानते नहीं | यह तो पढ़ाई है | बाप कहते हैं तुम पावन कैसे बनेंगे! तुम पावन थे, फिर बनना है | देवता पावन हैं ना | बच्चे जानते हैं हम स्टूडेन्ट पढ़ रहे हैं | भविष्य में फिर सूर्यवंशी राज्य में आयेंगे | उसके लिए पुरुषार्थ भी अच्छी रीति करना है

- ✓ तुम बच्चों को यह पढ़ाई रेग्युलर पढ़नी है | बाप कहते हैं हम तुमको नई-नई बातें सुनाता हूँ | तुम हो स्टूडेन्ट, तुमको भगवान् पढ़ाते हैं! भगवान् के तुम स्टूडेन्ट हो | ऐसी ऊँच ते ऊँच पढ़ाई को तो एक दिन भी मिस नहीं करना चाहिए
- ✓ जब तक जीना है, अमृत पीना है, शिक्षा को धारण करना है |
- ✓ पिछाड़ी में सिर्फ़ यही याद रहेगा कि अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो | परन्तु अभी समझाना पड़ता है | पिछाड़ी की यही अवस्था है, बाप को याद करते-करते चले जाना है |

- ✓यह बड़ी महीन बातें हैं | कितनी ऊँची पढ़ाई है | स्वप्न में भी नहीं होगा कि हम देवता बन सकते हैं | बाप को याद करने से ही तुम पदमापदम भाग्यशाली बनते हो | इसके सामने तो वह धन्धा आदि कुछ भी काम का नहीं है | कोई भी चीज़ काम आने वाली नहीं है | फिर भी करना तो पड़ता ही है |
- ✓पवित्रता को आदि अनादि विशेष गुण के रूप में सहज अपनाने वाले पूज्य आत्मा भव
- ✓व्यक्त में रहते अव्यक्त फ़रिश्ता बनकर सेवा करो तो विश्व कल्याण का कार्य तीव्रगति से सम्पन्न हो |

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |